Gj – यहाँ तक कि यीशु के भाइयों ने भी उस पर विश्वास नहीं किया
युहन्ना ७:२-९ | 1

– Save This Page as a PDF–

यहाँ तक कि यीशु के भाइयों ने भी उस पर विश्वास नहीं किया

युहन्ना ७:२-९

खुदाई: धार्मिक नेता पाखण्डी रब्बी को क्यों मारना चाहते थे (यूहन्ना ५:१८ देखें)? यीशु से इस दावत में शामिल होने का आग्रह करने में, क्या उसके सौतेले भाई ईमानदार या व्यंग्यात्मक हैं? प्रभु ने क्या कहते हैं कि उनमें और उनके सौतेले भाइयों के बीच क्या अंतर है? वे उसे क्या करने के लिए ताना दे रहे थे? दुनिया ने येशुआ से नफरत क्यों की? जब मेशियाक ने कहा कि उसका समय अभी नहीं आया है, तो उसका क्या मतलब था?

चिंतन: क्या आपको अपने विश्वास के प्रति किसी पारिवारिक विरोध या उपहास का सामना करना पड़ता है? आप इसके साथ कैसे लेन – देन करते हैं? मसीह की स्थिति कैसे मदद करती है? क्या आप अपने परिवार के साथ अपना विश्वास साझा करने में सतर्क या साहसी होने की अधिक संभावना रखते हैं? क्यों?

हम पहले ही देख चुके हैं कि यहूदी नेतृत्व यीशु को मारना चाहता था क्योंकि उसने सब्त के दिन बेथेस्डा में अशक्त को ठीक किया था और क्योंकि उसने एडोनाई के साथ अपनी समानता व्यक्त की थी (यूहन्ना ५:१६-१८)। अपने विरोधियों की नफरत का मतलब था कि प्रभु अब खुले तौर पर आगे नहीं बढ़ सकते थे। अब बूथ का त्यौहार फिर से आसन्न था, जो सभी यहूदी पुरुषों के लिए तीन अनिवार्य दावतों में से एक था। यहूदी लोग जकर्याह १४:१६-२१ से जानते थे कि सुक्कोट को मसीहाई साम्राज्य में पूरा किया जाना था। इसलिए, जब यीशु सुकोट के त्योहार के लिए यरूशलेम जाने की तैयारी कर रहे थे, तो महासभा की ओर से, और लोगों के मन की ओर से, मसीहा की ओर से बड़ी प्रत्याशा थी।

लेकिन जब सुकोट का यहूदी त्योहार निकट था, तो यीशु के भाइयों (एडेलफोस) ने उसे येरुशलायिम जाने के लिए उकसाने की कोशिश की (यूहन्ना ७:२)। एडेलफोस का अर्थ है भाई, लेकिन संदर्भ यह निर्धारित करता है कि क्या इसका अर्थ एक ही गर्भ से है या प्रभु में भाई है। ब्रिट चादाशाह में अन्य छंद हैं जो इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि येशुआ के सौतेले भाई थे जिनकी मां भी मरियम थीं (देखें Ey– यीशु की मां और भाई और एफजे – क्या यह बढ़ई का बेटा नहीं है? क्या वह उसका भाई याकूब, जोसेफ, साइमन और जूडास नहीं है)? यहां चचेरे भाई के लिए ग्रीक शब्द (एनेप्सियोस) का उपयोग नहीं किया गया है, न ही रिश्तेदार के लिए शब्द (सुग्गेनेस) का उपयोग किया

Gj – यहाँ तक कि यीशु के भाइयों ने भी उस पर विश्वास नहीं किया
युहन्ना ७:२-९ | 2

गया है।

मसीह के सौतेले भाइयों ने उस से कहा, गलील को छोड़ कर यहूदिया को जा, कि तेरे चेले वहां तेरे काम देख सकें (यूहन्ना ७:३)। वे चाहते थे कि यीशु यरूशलेम में अपनी चमत्कारी शक्ति का प्रदर्शन करें और उसे ताना मारते हुए सुझाव दिया कि उसे शहर में जाना चाहिए और दुनिया को अपने पीछे लाने के लिए जादू के करतब दिखाने चाहिए। उन्होंने कहा, कोई भी व्यक्ति जो सार्वजनिक व्यक्ति बनना चाहता है वह गुप्त रूप से कार्य नहीं करता है; चूँकि तुम ये काम कर रहे हो, इसलिए अपने आप को संसार पर दिखाओ (यूहन्ना ७:४)। प्रभु ने खुद को टोरा के अधीन रखा था (गलातियों ४:४; रोमियों १५:८) और सभी ६१३ आज्ञाओं का पूरी तरह से पालन किया था (देखें Dg– टोरा का समापन), यहां तक कि दावतों में जाने से संबंधित भी। लेकिन मसीहा ने यरूशलेम जाने का सही समय अपने पिता के मार्गदर्शन पर निर्भर किया। ईश्वर की आज्ञाओं के प्रति उनकी आज्ञाकारिता का लोकप्रियता की महत्वाकांक्षा से कोई लेना-देना नहीं था, उनके अभी भी अविश्वासी सौतेले भाइयों के सुझाव के विपरीत।



वह अविश्वास जो नाज़रेथ की विशेषता है जहां
यीशु बड़े हुए थे, उस घर में भी व्याप्त हो गया था जिसमें येशुआ बड़े हुए थे। उन्होंने निश्चित रूप से उसके चमत्कार देखे थे और शायद वे उन लोगों में से थे जो स्वार्थी कारणों से उसे राजा बनाना चाहते थे। उनके ताने से पता चलता है कि यदि उनका मनमौजी भाई सच्चा लेख होता, तो उन्हें उनके झांसे में आने में कोई आपत्ति नहीं होती। खोदना (उत्पत्ति Iy– जोसेफ के कई रंगों वाले कोट पर टिप्पणी देखें) क्योंकि उसके अपने सौतेले भाइयों ने भी उस पर विश्वास नहीं किया (यूहन्ना ७:५)। अपूर्ण रूप निरंतर अविश्वास को चित्रित करता है। उनका मानना था कि प्रभु त्ज़ियोन को चकाचौंध करने में सक्षम हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने उन चमत्कारों को समझना शुरू नहीं किया था जो उसने पहले ही किए थे।

सौतेले भाइयों का यह अपमान इस समय हमारे उद्धारकर्ता और उनके कार्य के अकेलेपन का एक दर्दनाक चित्रण है। पवित्र शहर में अच्छे चरवाहे से नफरत की जाती थी, गलील में कई लोगों द्वारा नापसंद किया जाता था, उसके दुश्मनों द्वारा उसका शिकार किया

Gj – यहाँ तक कि यीशु के भाइयों ने भी उस पर विश्वास नहीं किया
युहन्ना ७:२-९ | 3

जाता था, और अब इन सौतेले भाइयों द्वारा उसका उपहास और अपमान किया जाता था, जिन्होंने उस पर विश्वास खो दिया था और उसे अपने छिपने के स्थान से बाहर निकालने का प्रयास किया था।

इसलिए, यीशु ने उन्हें यह कहकर उत्तर दिया: मेरा (पूर्वनिर्धारित) समय अभी यहाँ नहीं है (यूहन्ना ७:६ए)। युहन्ना के सुसमाचार में कई बार, येशुआ अपने समय या अपने समय के बारे में बात करता है, जो उस क्षण को संदर्भित करता है जब उसकी महिमा दुनिया के सामने प्रकट होगी। उनकी महिमा का साधन पीड़ा होगी, जिसे उनके अधिकांश अनुयायी उनकी गिरफ्तारी और सूली पर चढ़ने की पूर्व संध्या पर भी नहीं समझ पाए थे। इस मामले को छोड़कर हर मामले में, उन्होंने जिस शब्द का इस्तेमाल किया वह (ग्रीक: होरा) घंटा था। इस मामले में, उन्होंने समय (ग्रीक: कारियोस) शब्द का उपयोग किया। धर्मनिरपेक्ष यूनानी साहित्य और सेप्टुआजेंट, या तानाख के यूनानी अनुवाद में इस शब्द का उपयोग उस निर्णायक क्षण को इंगित करने के लिए किया जाता है जिसमें एक कान दूसरे को रास्ता दे देता है।

आपके लिए कोई भी समय चलेगा. संसार तुम से बैर नहीं कर सकता, परन्तु वह मुझ से बैर रखता है, क्योंकि मैं उसके पाप की गवाही देता हूं, और उसके काम बुरे हैं (यूहन्ना ७:६बी-७)। मसीह ने अपने प्रति राष्ट्र की नफरत को पहचाना और समझाया कि यह इस तथ्य से आया है कि उसने उनके पाप को उजागर किया था। राष्ट्र फ़रीसी धार्मिकता की खोज के प्रति समर्पित था और उसने मसीहा की निंदा को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने येशुआ के फैसले को अस्वीकार कर दिया कि वे अधर्मी थे और जब तक वे उसकी धार्मिकता प्राप्त नहीं कर लेते तब तक वे परमेश्वर को स्वीकार्य नहीं होंगे। यीशु जानते थे कि यरूशलेम जाने का मतलब उन लोगों की नफरत के सामने खुद को उजागर करना है जिनके पाप उन्होंने सार्वजनिक रूप से प्रकट किए हैं।

गलील के रब्बी ने अपने भाइयों से कहा: आप अन्य तीर्थयात्रियों के साथ डेविड शहर में सुकोट के त्योहार पर जाएं। मैं नहीं जा रहा हूँ क्योंकि मेरा समय अभी पूरी तरह नहीं आया है। यीशु यह नहीं कह रहे थे कि वह वहाँ नहीं जायेंगे। इसका मतलब यह है कि वह उस वक्त सही रास्ते पर नहीं जायेंगे। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह उनकी चुनौती के जवाब में नहीं जाएंगे। मसीह अपने मसीहापन के निहितार्थों को अपने तरीके से कार्यान्वित कर रहे थे, उनके तरीके से नहीं। यह कहने के बाद वह गलील में कुछ समय और रुका (यूहन्ना ७:८-९)। केवल अगली फ़ाइल में वह दृढ़तापूर्वक अपने प्रेरितों के साथ सामरिया के रास्ते यरूशलेम के लिए और अधिक सावधानी से प्रस्थान करता है। सिय्योन की बेटी में भीड़ के उत्साह को कम रखने के लिए यह एक बहुत ही बुद्धिमानी भरा निर्णय था (यिर्मयाह ६:२)। इसलिए, वह उत्सव के आधे समय तक मंदिर के प्रांगण में नहीं गया (यूहन्ना ७:१४)।